व्यापार योजना

आय सृजन गतिविधि - बुनाई

स्वयं सहायता समूह - स्वयं सहायता समूह जय शिरगुल महाराज अणू-3

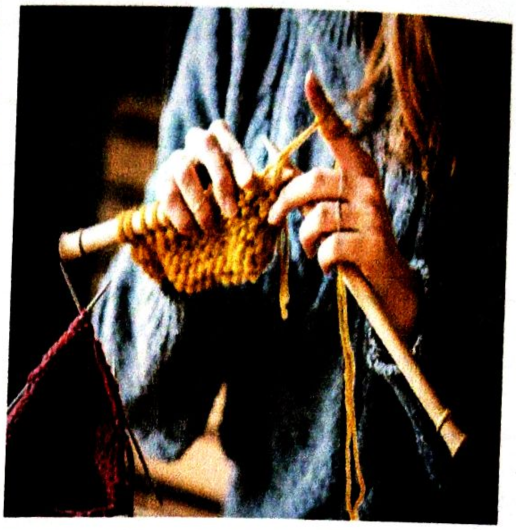

स्वयं सहायता समूह	::	स्वयं सहायता समूह जय शिरगुल महाराज अणू-3
ग्रामीण वन विकास समिति	::	कटोटी अणू
वन परिक्षेत्र	::	सराँह
वन मण्डल	::	चौपाल

वितपोषित-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाइका सहायता प्रदान की)

सामग्रीतालिका

क्रमांकसंख्या	विवरण	पृष्ठ/सं।
1	कार्य कारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह की जानकारी	4
3	स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का ब्योरा	5
4	गांव की भौगोलिक स्थिति	5
5	समूह के गठन को गतिविधि का परिपेक्ष	6,7
6	उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण	7
7	विपणन	7
8	श्रम का वितरण	7
9	शक्ति, दुर्बलता ,अवसर व जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)	8
10	उधम हेतु अनुमानित मशीन एवं उत्पाद के मूल्य की गणना/आकलन	8
11	निर्धारित बिक्री से मासिक औसत आय	9
12	लागत लाभ - विश्लेषण (मासिक)	10
13	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
14	प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कौशल सृजन	10
15	निगरानी विधि	11
16	टिप्पणियां	11
17	समूह के सदस्य की तस्वीरें	12
18	प्रमाण पत्र	13

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश कुदरती सुंदरता और समृद्धि, संस्कृति व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध परितंत्र नदियाँ घाटियाँपाई जाती है। इसका भौगोलिक क्षेत्र55673 वर्ग किलोमीटर है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाड़ियों से लेकर मध्य हिमालयका क्षेत्रऊँचाई और ठंडे ज़ोन का क्षेत्र है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से सात जिलों में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जायका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमेशिमला जिला भी शामिल है।

वन्यप्राणी मंडल शिमला में शिमला,चौपाल,ठियोग, जुब्बल, कोटखाई वन परिक्षेत्रों में स्थापित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियों में इस परियोजना में उप समितियां बनाई गई हैऔर अभी तक प्रथम चरण की उप समितियों में प्रत्येक उप समिति में दो दो स्वयं सहायता समूह जिसमें अधिकतर महिलाएं हैं का गठन किया जा चुका है

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जायका (JICA)प्रारंभ होने पर जैव विविधता प्रबंधन कमेटी के द्वारा उप समिति की सूक्ष्म योजना बनाई गई है। इस उपसमिति में महिलाओं कास्वयं सहायता समूह गठित किया गयाहैं। जिसमें स्वयं सहायता समूह जय शिरगुल महाराज अणू-3 भी शामिल हैं । समूह की महिलाओं ने अपनी आजीविका के साधन को बढ़ाने के लिए स्वेटर, जुराब, टोपी, मफलर, कोटी आदि की बुनाई करने की गतिविधि का चयन किया।

उप समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है, परंतु अधिकतर परिवारों की औसत भूमि बहुत कम है। अन्य संसाधन कम व दूर होने के कारण विशेषकर महिलाओं की आजिविका में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेतीकरने के साथ सब्जी उत्पादन तथा सेब, पलम,खुमानी इत्यादि नकदी फसलें उगाते हैं। परंतु आय का अतिरिक्त साधन जुटाने के लिए स्वयं सहायता समूहने बुनाई जय शिरगुल महाराज अणू-3 का कार्य करके अपनी आजीविका बढ़ाने का निर्णय लिया है।

स्वयं सहायता समूह का गठन दिनांक **02-02-2022** हो चुका था। इस समूह में कुल **(07)** सदस्य हैं और सभी महिलाएं है इस समान सूची समूह को परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह को दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता से अवगत कराया गया और समूह की महिलाओं ने विस्तार से चर्चा करने पर स्थानीय प्रचलन एवं नवीनतम फैशन के अनुसार धागों से निर्मित महिलाओं पुरुषों को बच्चों के गर्म वस्त्रों की बुनाई करने का निर्णय लिया।

वैसे तो अधिकतर महिलाएं हाथ से बुनाई में दक्ष होती है, परंतु परियोजना की सहायता से प्रारंभ में स्वेटर जुराब, टोपी,कोटी, मफलरआदि की मशीनों पर बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिस पर लगभग ₹ **4000** की राशि प्रति सदस्य पर एक महीने के परीक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। यद्यपि समूह में

शामिल सभी महिलाएं सामान्य जाति से हैं तथा आर्थिक रूप से अत्यंत निर्धन परिवारों से संबंध रखती है। अतः पूंजीगत व्यय का **75**% भाग भी परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,00,000रिवॉल्विंग फंड दिया जाएगा। रिवॉल्विंग फंड से उन्हें आवश्यकता पड़ने पर बैंक से ऋण लेने में सहायता मिलेगी। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण ये महिलाएं बैंक ऋण लेने में संकोच कर रही है। अतः उन्होंने आवश्यक पूंजीगत व्यय को

नगद जमा करके स्वयं उठाने का निर्णय लिया है। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्य का आपसी बंटवारा करेंगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

सदस्यों के पास आय सृजन के इस गतिविधि पर काम करने के लिए नवंबर से मार्च तकपर्याप्त समय होगा जबकि अन्य महीनों में खेती से संबंधित काम चरण पर होंगे। जिसके कारण सर्दी के महीनों की तुलना में कम समय मिलेगा इस प्रकार समूह के सदस्य औसत प्रतिदिन पांच **5-6**घंटे का समय निकालकर आजीविका बढ़ाने की इस गतिविधि को चलाएंगे।

2. स्वयं सहायता समूह की जानकारी।

स्वयं सहायता समूह का नाम	**स्वयं सहायता समूह शिरगुल महाराज अणू-3**
ग्रामीण वन विकास समिति नाम	**कटोटी अणू**
वन परिक्षेत्र	**सरॉह**
वन मंडल	**चौपाल**
गांव	**अणू**
जिला	**शिमला**
समूह के सदस्यों की संख्या	**07**
समूह के गठन की तिथि	**02-02-2022**
बैंक खाता संख्या	**04110110067406**
बैंक तथा शाखा का नाम	**UCO Bank**
समूह के मासिक बचत की दर	**100 /-**
समूह की कुल बचत	15000
समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	------
समूह के सदस्यों द्वारा वापस ऋण की स्थिति	-------

3समूह के सदस्यों का ब्योरा

लाभार्थीका नाम	पिता/पति का नाम	पद	शिक्षा	आयु	श्रेणी	गांव	संपर्क
रक्षा शर्मा	W/o जय राम शर्मा	प्रधान	12th	45	सामान्य	गाँव- अणू	78070-38134
शीतल	W/o कमल		12th	25	सामान्य	गाँव- अणू	90153 -27496
रुचि	W/o सुरेश		12th	29	सामान्य	गाँव- अणू	62302 -57133
मोनिका	W/0 बलवीर	कोषाध्यक्ष	12th	27	सामान्य	गाँव- अणू	73009-63359
बीना	W/o : राजेश	सदस्य	12th	32	सामान्य	गाँव- अणू	88949-11204
सुमित्रा	W/o चेतराम	सदस्य	5th	55	सामान्य	गाँव- अणू	88945-70961
हीरो देवी	W/o मंगल सिंह	सदस्य	8th	45	सामान्य	गाँव- अणू	62300-08758

4. गांवकीभौगोलिकस्थिति।

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	107किलोमीटर
4.2	मुख्य सड़क से दूरी	02किलोमीटर
4.3	स्थानीय बाजार का नाम व दूरी	चौपाल 09किलोमीटर
4.4	अन्य मुख्य शहरों से दूरी	शिमला 107 किलोमीटर
4.5	बाजार जहां उत्पादों की बिक्री की जाएगी	चौपाल , नेरवा ठियोग,शिमला

5. समूह के गठन की गतिविधि का परिपेक्ष

क.व्यवसाय योजना कीआवश्यकता

स्वयं सहायता समूह शिरगुल महाराज अणू-3 गाँव अणू वन परिक्षेत्र सराँह ,में पड़ता है इस गांव में महिलाओं का पहले से भी ग्रुप था समूह की महिलाओं ने बुनाई का ही कार्य करने का निर्णय लिया है परियोजना के कार्यों की शुरुआत में लोगों से बातचीत करते हुए उन्हें परियोजना में इस प्रकार के समूह को परियोजना द्वारा प्रोत्साहन की व्यवस्था के बारे में बताया गया,व महिलाओं के रुचि दिखाने पर परियोजना में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया स्वयं सहायता समूह शिरगुल महाराज अणू-3 की सभी महिलाएं बुनाई का काम करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है समूह की अधिकतर महिलाएं पहले से हाथ की सिलाई से बुनाई का कार्य करती है परंतु बुनाई की मशीनों से प्रत्येक वस्तुको बनाने में कम समय लगेगा महिलाओं के पास बुनाई की मशीन नहीं है और ना ही मशीन की बुनाई में प्रशिक्षित है।इन कारणों से अपनी आजीविका को इस कार्य में लगे समय के अनुपात में नहीं बड़ा पा रही है इसीलिए महिलाओं ने समूह के माध्यम से परियोजना में से बुनाई की मशीनों तथा उच्च परीक्षण की मांग की है

ख.योजना के उद्देश्य

- समूह के सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना।
- लोगों के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना।
- उत्पाद को उचित बाजार सेजोड़ना।
- सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
- बुनाई की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढ़ावादेना।
- आजीविका की बढ़ोतरी।

ग. व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल

- महिला व पुरुषों के स्वेटर, कोटी, जुराब ,मफलर, टोपी ,बच्चों के गर्म वस्त्र आदि की मशीन पर बुनाई करेंगे।

घ. व्यवसाय योजना के कार्यों का विवरण

[redacted]इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामाजिक गतिशीलता के उपरांत आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थियों की छंटनी की गई है।

[redacted] लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण कराया जाना आवश्यक है जिस पर होने वाले व्यय का प्रावधान परियोजना द्वारा किया जाएगा।

[redacted]:- समूह के सभी सदस्यों को अच्छे किस्म की मशीनें उपलब्ध करवाई जाए ताकि कम समय में अधिक कार्य कर सके तथा विक्रय योग्य सफाई भी उत्पादों में दिखे।

[redacted]:-महिलाओं के अनुसार प्रारंभ में वे अपने गांव तथा आसपास के गांव में रहने वाले लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए बुनाई का काम करेगी जिससे उनके समूह की आय होने लगेगी उसके पश्चात वे बाजार में मांग के अनुसार अलग-अलग तरह के डिजाइन के पुरुषों महिलाओं व बच्चों के लिए गर्म धागों से बुने वस्त्र बनाकर निकट के बाजारों में बेचेगी अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबंध स्थापित करने के लिए तैयार है।

[redacted]:- व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए समूह को वित्तीय संस्थानों से जोड़ने का पर्याप्त प्रयास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया गया है तथा ऋण लेने की अवस्था में परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा ऋण पर लगने वाले ब्याज का 5% हिस्सा भी परियोजना की ओर से सीधे बैंक को चुकाया जाएगा

[redacted]:- सिले सिलाए परिधानों की मांग के अनुसार बनाने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा आसपास के गांव में और निकट के कस्बों में विक्रय किया जाएगा।

[redacted] :-

क. समूह की महिलाएंअत्यंत निर्धन परिवारों से होने के कारण पूंजीगत व्यय का75%भाग परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगा, शेष भाग सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा इसके अतिरिक्त आवर्ती व्ययको समूह अपनी बचत राशि से, रिवाल्विंग फंड में से अथवा बैंक ऋण लेकर कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

ख. कुल कार्यकर्ता 07 सदस्य।
ग. तकनीकी सहायता गांव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान किया जाएगा ।

6.उत्पादनकीप्रक्रियाकाविवरण

सर्व प्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी,स्वेटर,बच्चों के सेट,टोपी ,जुराबे इत्यादि की बुनाई का प्रशिक्षण किसी कुशल संस्था अथवा संस्थान द्वारा दिया जाएगा स्वयं सहायता समूह शिरगुल महाराज अणू-3 के 07 सदस्य यह कार्य करेगी परीक्षण के उपरांत समूह इस कार्य को मांग के अनुसार अधिक स्तर पर करेगी।

7.विपणन

7.1	संभावित कार्यक्षेत्र	समीप के गांव व समीप के बाजार नेरवा, चौपाल, शिमला इत्यादि।
7.2	संभावित कार्यों का अनुमान	कोटी,स्वेटर ,बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि।
7.3	ऋतु परिवर्तन अनुसार कार्य की संभावना	यह कार्य साल भर होगा यद्यपि गर्मियों के लगभग 4 माह मांग कम होगा।
7.4	चिन्हित ग्राहक	गांव व कस्बों की महिलाएं, पुरुष, व बच्चे, अधिकांश तैयार वस्तुओं के क्रेता पर्यटक होंगे।
7.5	कार्य की उपलब्धता हेतु रणनीति	सीधा संपर्क स्थापित हस्तकला के शोरूम दुकानों में उत्पाद की बिक्री या बुनाई का काम लेना होगा।
7.6	प्राथमिकताएं	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी जुराबे इत्यादि इसके अतिरिक्त गरम धागों के मफलर स्कार्फइत्यादि की बुनाई भी मांग के अनुसार करेगी।

8.श्रम का वितरण

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे तथा किए गए कार्यों के अनुपात में प्राप्त आय का वितरण करेंगे। इस समय विचार है कि स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्य हर प्रकार का काम करेंगे, परंतु बाजार की मांग के अनुसार बुनी जाने वाली वस्तुओं में क्या-क्या बनाना है निर्भर करेगा। इस व्यवसाय योजना में तैयार किए जाने वाले वस्तुओं की संख्या संकेतिक मात्र है जो बाजार की मांग के अनुसार निर्धारित होगा। कार्य का बंटवारा एवं प्रत्येक सदस्यों की रूचि दक्षता तथा दिए जाने वाले समय पर निर्भर करेगा सभी सदस्य बारी-बारी लेन-देन का हिसाब रखेंगे।

9.शक्ति,दुर्बलता,अवसरवजोखिमकाविश्लेषण(SWOT ANALYSIS)

शक्ति:-

1. सभी समूह सदस्य समान व अनुकूल सोच रखते हैं
2. समूह के सदस्य छोटे पैमाने पर बुनाई का कार्य करेंगे

दुर्बलता:-

1. स्वयं सहायता समूह के लिए नया काम है
2. समूह में मशीन पर कार्य करने का अनुभव नहीं है

अवसर:-

1. समूह को बड़े स्तर पर काम मिल सकता है यदि वे सफाई गुणवत्ता आदि पर ध्यान रखें।
2. स्थानीय बाजारों में गर्म वस्त्रों की मांग ठंडा क्षेत्र होने के कारण अधिक है।
3. परियोजना द्वारा बुनाई की मशीन इत्यादि खरीदने के लिए75% सहायता उपलब्ध है।
4. परियोजना द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण मौके पर प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा करवाया जाएगा।

जोखिम:-

1. समूह में आंतरिक टकराव होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शिता के अभाव में समूह टूटने की संभावना हो सकती है।
3. फैशन के अनुसार परिवर्तन ना करें तो काम की मात्राप्रभावित हो सकती है।
4. अनुभवी व कुशल कारीगरों से स्पर्धा में खरे उतरना होगा।

10..उधम हेतु अनुमानित मशीन एवं उत्पाद के मूल्य की गणना/आकलन

पूंजीगत लागत

क्रमांक	गतिविधि	संख्या	अनुमानितमूल्य	कुलव्यय
1	बुनाई की मशीन	03	30000	90000
2	बुनाई की डिजाइन किताब	5	1500	7500
3	गोला बनाने की मशीन	3	1200	3600
कुल पूंजी लागत				101100/-

- अन्य छोटा आवश्यक सामान महिलाएं स्वयं उपलब्ध कर रही है

आवर्ती लागत

क्रमांकसंख्या.	विवरण	इकाई	मात्रा	इकाईलागत	कुलमूल्य
1	कमरेकाकिराया	प्रतिमाह	1	2000	2000
2	पानीऔरबिजलीशुल्क	प्रतिमाह	1	1000	1000
3	बुनाई का धागा	प्रतिमाह	L / S	80000	80000
4	पैकेजिंग्स	प्रतिमाह	L / S	2000	2000
5	परिवहन	प्रतिमाह		3000	3000
6	रिपेयर मशीन,	प्रतिमाह		2000	2000
	कुल आवर्ती लागत				90000/-

नोट:
समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे इसलिए श्रम लागत को शामिल नहीं किया गया है और सदस्य उनके बीच पालन की जाने वाली कार्य सूची का प्रबंधन करेंगे।

उत्पादन की लागत (मासिक)

क्रमांक	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	90000/-
2	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्य ह्रास (101100)	10110
	कुलयोग	100110/-

11.निर्धारित बिक्री से मासिक औसत आय

क्रमांक	वस्तु का नाम	संख्या	प्रति नग लागत	कुल लागत	प्रति नग विक्रय राशि	कुल विक्रय राशि	लाभ / प्रतिमाह
1	कोटी	40	816	32640	1300	52000	19360
2	स्वेटर	35	816	28560	1300	45500	16940
3	बच्चों के सेट	90	220	19800	350	31500	11700
4	जुराबे	90	100	9000	150	13500	4500
5	टोपी	90	100	9000	150	13500	4500
कुलयोग						156000/-	57000/-

12.लागतलाभ-विश्लेषण(मासिक)

क्रमांक	विवरण	कुल
1	कुल आवर्ती लागत	100110/-
2	कुल विक्रय राशि	156000/-
3	शुद्धलाभ	57000/-
4	शुद्धलाभ का विवरण	1. पहले महीने में कुल156000 रुपये में से एक लाख रुपये भविष्य के पुनरावर्तन के लिए रखे जाएंगे 2. कुल बिक्री में से 56000शेष को स्वयं सहायता समूह (SHG)मेंकिखातेमेंरखाजाएगा।

13स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था

क्रमांक	विवरण	कुलपूंजी	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह (SHG)योगदान
1	कुलपूंजीलागत	**101100**	**75825**	**25275**
2	कुलआवर्ती लागत	100110		100110
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण, कौशल उन्नयन	40000	40000	
योग		241210/-	115825/-	125385/-

नोट: 1) पूंजीगतलागत– 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा

2) आवर्ती लागत–स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाना

3) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कौशल सृजन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन की लागत पूरी तरह से परियोजना से जुड़ी होगी।ये कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर इस परियोजना के अंतर्गत ध्यान दिया जाना है :

1) कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद

2) गुणवत्ता नियंत्रण

3) पैकेजिंग और विपणन गतिविधियां

4) वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

15.निगरानी विधि

- ग्राम वन विकास समिति (VFDS) की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आय सृजन गति विधि (IGA) की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह (SHG) को प्रत्येक सदस्य के आय सृजन गति विधि (IGA) की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।
    - निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेत इस प्रकार हैं :
    - समूह का आकार
    - निधि प्रबंधन
    - निवेश
    - आय उपार्जन
    - उत्पाद की गुणवत्ता

16.टिप्पणियों

समूह के सदस्य की तस्वीरें

Hiro Devi

Veena Devi

Moni ka

sheetal · Kumari

Ruchi

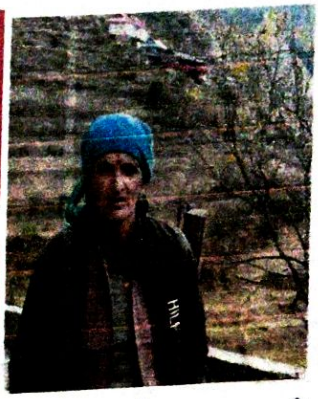
Sumitra Devi

Raksha Devi

प्रमाणपत्र

बुनाई आय सृजन गतिविधि के लिए स्वयं सहायता समूह जय शिरगुल महाराज अणु-3 की व्यवसाय योजना ग्रामीण वन विकास समिति कथेटी अणु के सामान्य सदन के समक्ष **बुनाई** को अनुमोदन हेतु प्राप्त विभिन्न सदस्यों द्वारा लम्बी चर्चा और विचार विमर्श के बाद व्यवसाय योजना को स्वयं सहायता समूह में अपनाने और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा आगे कार्यान्वयन के **लिए** अनुमोदित किया गया

दिनांक :- 22-11-2023

स्थान: - अणु

अध्यक्ष / सचिव
स्वयं सहायता समूह
प्रधान जय शिरगुल महाराज अणु-3
Sukhdei Sharma

प्रधान
(ग्राम वन विकास समिति)
(L.R. Sharma)
Pradhan

कोषाध्यक्ष
(ग्राम वन विकास समिति)
B O Forest Jokholi
Range Sarain
Chopal Shimla

एँफ़०टी०यु०अधिकारी
सराँह
R.O Sarain

अनुमोदित
डी० एम० यु० अधिकारी
वन मंडल चौपाल

No. 230/8
H.P. Forest Department
Dated To Sarain. 28-11-2023

From: - R.F.O. Sarain To: - D.F.O. Chopal

Subject: - Regarding change The SHG Gayatri Katoti -2.

Sir ,

please enclosed find Here with the Regarding Change the SHG Gayatri Katoti -2 VFDS katoti Annu.This is for Your information And further Necessary action please.

Range Forest Officer
Sarain Forest Range

22.11.2023

Monthly Meeting

दिनांक 22/11/23 को VFDs Annu Katoch की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें इस VFDs के दो स्वयं सहायता समूह ने भाग लिया जिसमें दो स्वयं सहायता समूह Braj Mohan, Annu और Gayatri Katoch-II ने भाग लिया जिसमें Gayatri Katoch-II ने अपनी IGA activity के अपने समूह को Training दी की बात कही गई। जिसमें यह सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि इस VFDs में कोई और स्वयं सहायता समूह बनाया जाए और इस स्वयं सहायता समूह Gayatri Katoch-II को कोई आपत्ति नहीं है। इसमें स्वयं सहायता समूह के प्रधान और कोषाध्यक्ष की उपस्थिति में यह प्रस्ताव लिया गया और इस VFDs के कोई और अन्य समूह बनाया जाएगा। प्रस्ताव लिखा गया ताकि समय पर काम आए।

SNo.		SHG Name	Designation	Sig.
1.	Arun Verma	SMS JICA		Arun
2	Tara Devi	FTU coordinator		Tara
3	शैलजा देवी	ब्रजमोहन / अन्नू	कोषाध्यक्ष	Runa
4	सुन्दरी देवी	"	सचिव	[signature]
5	पारजू देवी	"	प्रधान	पारजू देवी
6	शीला देवी	"	उप-प्रधान	Sheela
7	तुलसा देवी	"	सदस्य	तुलसा देवी
8	किरना देवी	"	"	Kiran
9	वीना रानी	"	"	[signature]
10	कमला देवी	"	"	कमला देवी
11	आशा देवी	"	"	आशा देवी
12		Gayatri Katoch-II		
13	राधा शर्मा		प्रधान	Radha
14	श्यामा शर्मा		सचिव	Shyama
15	सुमन		कोषाध्यक्ष	Shimla
16	सुमन शर्मा		सदस्य	Suman
17	उमा देवी			